त्रैमासिक परीक्षा 2017-2018

हिन्दी

कक्षा : IX

समय : 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

खण्ड 'अ' के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्ड 'ब' से किन्हीं चार प्रसंगों के उत्तर लिखें। गद्य एवं पद्य से एक-एक प्रसंग करना अनिवार्य है।

खण्ड 'अ' (भाषा – 40 अंक)

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त प्रस्ताव लिखें। **[15]**

(क) किसी की मदद करना मानवीय गुण है। आपको भी एक विकलांग व्यक्ति की मदद करने का अवसर मिला था। बताइए कि इस कार्य को करने में आपने कैसा महसूस किया ?

(ख) इस बार ग्रीष्मावकाश में आप अपने गाँव गए। वहाँ आपने किसान को अपने खेतों में काम करते हुए करीब से देखा। उनकी दिनचर्या क्या थी ? वे हमारे जीवन में क्या महत्त्व रखते हैं ? उनसे मिलकर आपको कैसा लगा ? वर्णन करें ।

(ग) परीक्षाएँ विद्यार्थियों के तनाव का कारण बनती जा रही हैं। इस तनाव से मुक्ति पाने के लिए विद्यार्थियों को किस प्रकार अध्ययन करना चाहिए तथा अन्य क्या उपाय करना चाहिए। समझाकर लिखें।

(घ) "स्वास्थ्य ही धन है"-इस पर अपने विचार लिखते हुए बताएँ कि स्वस्थ रहने के लिए हमें क्या-क्या करना चाहिए?

(ङ) एक मौलिक कहानी लिखें जिसका आधार निम्नलिखित वाक्य हो –

"......और इस प्रकार बुद्धिमानी से संकट टाला जा सकता है।"

2. किसी एक विषय पर पत्र लिखें। **[7]**

(i) अपनी चाचीजी को पत्र लिखकर सलाह दें कि वह और घर के अन्य सदस्य" जितनी चादर है उतने ही पैर पसारें" ताकि चाचाजी पर गलत ढंग से पैसे कमाने का दबाब न पड़े।

(ii) ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही के कारण अपने क्षेत्र में होने वाली दुर्घटनाओं का उल्लेख करते हुए पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखें साथ ही इस दिशा में कुछ उचित सुझाव भी दें।

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा सभी प्रश्नों के उत्तर यथासंभव अपनी भाषा में दें –

औरंगजेब का पुत्र अकबर अपनी छोटी सी बच्ची को दुर्गादास राठौर के पास छोड़कर ईरान भाग गया था। वीर दुर्गादास ने ही उस बच्ची सुचितुव्रिशा का पालन पोषण किया। औरंगजेब को जब यह पता चला तो वह गुस्से से भड़क उठा। वीरवर दुर्गादास का तो वह कुछ बिगाड़ नहीं सका, इसलिए हिन्दू जनता पर उसका कहर टूटा। जबरन मुसलमान बनाने के साथ-साथ अत्यधिक संख्या में लोगों की हत्याएँ भी हुईं।

सुचितुव्रिशा जब ग्यारह साल की हो गई तो दुर्गादास ने उसे अपने दादा औरंगजेब के पास भिजवा दिया। मुगल सैनिक हिन्दू समाज पर मनमाने अत्याचार कर रहे थे इसलिए औरंगजेब को संदेह था कि उसकी पोती के साथ भी दुर्व्यवहार हुआ होगा और कुछ नहीं तो उसे हिन्दू जरूर बना लिया होगा पर सुचितुव्रिशा तो उसके सामने मुस्लिम वेश-भूषा में एकदम सुरक्षित खड़ी थी। औरंगजेब को कुछ आश्चर्य हुआ। फिर उसने कहा ''अब तक तुम काफिरों के साथ रही हो। इस्लाम का तुम्हें कुछ भी पता नहीं होगा। इसलिए अब तुम्हें कुरान पढ़ाया जाएगा।'' इस पर शहजादी ने कहा - ''यह आप क्या कह रहे हैं बड़े अब्बा जान? चाचा दुर्गादास ने न केवल अपनी बेटी की तरह मेरी परवरिश की है, बल्कि कुरान तथा हदीस की शिक्षा भी मुझे दिलवाई है। सारा कुरान मुझे याद है।''

औरंगजेब यह सुन अवाक रह गया तो शहजादी ने फिर कहा - ''चाचा दुर्गादास हमेशा कहते हैं कि हिन्दू धर्म व संस्कृति सभी मजहबों का सम्मान करना सिखाते हैं।''

सच है कि हिन्दू संस्कृति ने सभी मजहबों का सम्मान करने का केवल सिद्धान्त ही नहीं दिया बल्कि हिन्दू समाज ने उसे जीवन में भी उतारा है। अत्यंत विषम परिस्थिति में भी इस सिद्धान्त का पालन किया है।

(1) ईरान कौन चला गया था तथा उसने अपनी पुत्री को किसके पास छोड़ गया था ? [2]

(2) औरंगजेब क्यों भड़क गया ? उसके पश्चात् उसने क्या किया ? [2]

(3) औरंगजेब को किस बात का संदेह था और क्यों ? [2]

(4) सुचितव्रिशा ने औरंगजेब को क्या-क्या बताया ? स्पष्ट करें - [2]

(5) इस गद्यांश से मिलने वाली शिक्षा का उल्लेख करें। [1]

4. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखें -

गणपति, कपट, दया, जीभ । [2]

5. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विलोम शब्द लिखें -

पक्ष, परमार्थ, नेकी, बंधन । [1]

6. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक से वाक्य बनाएँ :-

चंपत होना, घाव पर नमक छिड़कना, गाल बजाना । [1]

7. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्द-समूहों के लिए एक-एक शब्द लिखकर वाक्यों में प्रयुक्त करें :-

(i) भारत की राष्ट्रीय धरोहर ताजमहल का मूल्य नहीं आँका जा सकता। [1]

(ii) राजा की बीमारी का इलाज नहीं हो सकता था। [1]

8. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्त्तन करें :- [3]

(i) मेरे योग्य कोई सेवा हो तो कहने में संकोच न करें । (वाक्य में निःसंकोच शब्द का प्रयोग करें।)

(ii) आलसी व्यक्ति का भाग्य भी सोया रहता है । (मिश्रित वाक्य बनाएँ)।

(iii) उस समय अमेरिका में दास प्रथा प्रचलित थी । (वाक्य में 'प्रचलन' शब्द का प्रयोग करें ।)

खण्ड 'ब' (साहित्य 40 अंक)

साहित्य सागर – गद्य भाग

प्र.1. "उसने कोई बहाना न बनाया। चाहता तो कह सकता था कि यह साजिश है। मैं नौकरी नहीं करना चाहता था इसलिए हलवाई से मिलकर मुझे फँसा रहे हैं।"

(क) किसे कौन फँसा रहा था ? उसने कौन सा अपराध किया था ? समझाकर लिखें । [3]

(ख) रसीला कौन था ? उसकी चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालें । [3]

(ग) हमें अपने नौकरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। कहानी के आधार पर उदाहरण देकर स्पष्ट करें। [2]

(घ) इस कहानी में लेखक ने समाज की कौन सी बुराई को प्रगट करने का प्रयास किया है ? समझाकर लिखें। [2]

प्र.2. "सामने वृक्षों का एक कुंज और कुआँ देखकर सेठ ने विचार किया कि थोड़ी देर रूक कर भोजन और विश्राम कर लेना चाहिए। यह सोचकर वह कुंज की ओर बढ़े।"

(क) 'वे' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? उनका संक्षिप्त परिचय देते हुए बताएँ कि वे कहाँ जा रहे थे और क्यों ? [3]

(ख) उन्हें विश्राम करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? इसके लिए उन्होंने कौन सा स्थान चुना ? [3]

(ग) क्या उन्होंने भोजन किया ? अगर नहीं तो क्यों ? कारण सहित स्पष्ट करें। [2]

(घ) लेखक का नाम बताते हुए कहानी में निहित संदेश को स्पष्ट करें। [2]

प्र.3. अकस्मात् शुभ कार्य में विघ्न की तरह उग्र रूप धारण किए हुए विशेषकर वहाँ आ घुसे।"

(क) 'शुभकार्य' किस कार्य को कहा गया है ? यह कहाँ, किसके साथ किया जा रहा था ? इसमें विघ्न डालने वाले व्यक्ति का संक्षिप्त संक्षिप्त परिचय दें ? [3]

(ख) विश्वेश्वर के क्रोध का क्या कारण था ? उन्हें क्या संदेह हुआ था ? [3]

(ग) विश्वेश्वर को सच्चाई का पता कैसे चला ? उनकी क्या प्रतिक्रिया हुई । [2]

(घ) "बच्चे और माँ के बीच गहरा रिश्ता होता है" - 'काकी' कहानी के आधार पर स्पष्ट करें। [2]

साहित्य सागर – पद्य भाग

**प्र.4. "काँकर पाथर जोरि कै, मसजिद लई बनाय ।
ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय ।।
पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार ।
ताते ये चाकी भली, पीस खाय संसार ।।"**

(क) कबीरदास ने मुसलमानों के क्रिया-कलाप पर किस प्रकार प्रहार किया है ? समझाकर लिखें । [3]

(ख) कवि ने हिन्दुओं की पूजा-पद्धति का किस प्रकार विरोध किया है और क्यों ? उनकी दृष्टि में इससे भली क्या है? [3]

(ग) कबीर के दोहों से मिलने वाली सीख आज के समाज को सुधार सकती है - साबित करें। [2]

(घ) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखें :- [2]

हरि, मसि, चाकी, साँकरी ।

प्र.5. "चाट रहे जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए। "

(क) 'वे' शब्द का प्रयोग यहाँ किसके लिए किया गया है ? वे जूठी पत्तल क्यों चाट रहें हैं ? कारण सहित उत्तर दें। [3]

(ख) कुत्ते किस बात पर अड़े हुए हैं और क्यों ? यह दृश्य समाज के किस दोष को दर्शाता है ? स्पष्ट करें। [3]

(ग) कवि अपने मन की करूणा व दया किस प्रकार प्रकट कर रहे हैं ? वे क्या करना चाहते हैं ? [2]

(घ) 'भिक्षुक' कविता के माध्यम से कवि समाज को क्या संदेश देना चाह रहे हैं ? [2]

प्र.6. "जब तक मनुज-मनुज का यह
सुख भाग नहीं सम होगा
शमित न होगा कोलाहल
संघर्ष नहीं कम होगा।"

(क) कवि ने समाज में रहने वाले सभी प्राणियों में कौन से भाव होने की बात कही है और क्यों ? समझाकर लिखें। [3]

(ख) संघर्ष के कम न होने की बात क्यों कही गई है ? संघर्ष व कोलाहल किस प्रकार दूर किया जा सकता है? [3]

(ग) कवि और कविता का नाम बताते हुए इस कविता में निहित संदेश पर प्रकाश डालें। [2]

(घ) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ बताएँ :- [2]

समीरण, शमित, कोलाहल, मनुज ।